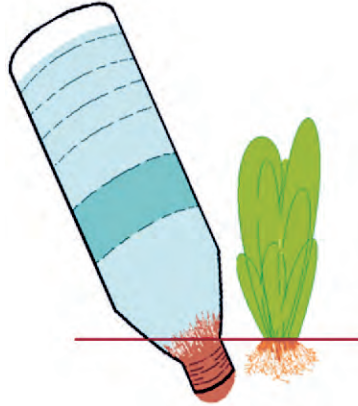


अब पौधे नहीं करेंगे आपसे शिकायत

दिव्या सिंह
प्रोजेक्ट फैलो, एम0 आर0 पी0-यू0 जी0 सी0
सांख्यिकी विभाग
नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ(उ0प्र0)-226004, भारत
divya.shiv.singh@gmail.com



जब आप घर से बाहर छुटियाँ मनाने जाते हैं तो आपके मन में एक प्रश्न उठता होगा कि जिन पौधों को आपने इतने प्यार से सींचा है, कहीं वे आपकी अनुपस्थिति में मुरझा न जायें। पर अब आपकी इस चिंता का हल निकाला है कुछ कृषि विशेषज्ञों ने। इसके लिए उन्होंने कृषि में प्रयुक्त होने वाली टपक विधि मॉडल का प्रयोग किया है। इस मॉडल के अन्तर्गत उन्होंने प्लास्टिक की बोतलों का प्रयोग किया है। वह प्लास्टिक की बोतलें जिन्हें आप प्रायः सफर में अपनी प्यास बुझाने के उपरान्त बेकार समझ कर फेंक देते हैं। पर शायद यही बोतलें अब गर्मियों में आपके पौधों की प्यास बुझा सकती हैं, ऐसा कहते हैं शोधकर्ता। तो अब से इन बोतलों को फेंकने से पहले दो बार जरूर सोचिएगा।

कई तरह से प्रयोग करने के बाद कृषि विभाग ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यह विधि बहुत ही सरल और कारगर है, जो कि पानी की बहुत ही कम मात्रा में, आपके पौधों को लम्बे अन्तराल तक मुरझाने से रोकती है। वह लोग भी इस विधि का प्रयोग कर सकते हैं, जो ऐसे स्थानों में रहते हैं जहाँ पानी की कमी की समस्या हो।

यदि आप भी चाहते हैं कि आपके पौधे, पानी के लिए आपसे कभी शिकायत न करें तो आज ही से उक्त विधि की तैयारी शुरू कर दीजिए। इसके लिए आपको केवल दो चीजों की आवश्यकता होगी। पहली तो है प्लास्टिक की बोतलें और दूसरा है नारियल का जूट। सबसे पहले बोतल में पानी भरिये और बोतल के मुँह को ढक्कन की बजाय नारियल के जूट से बंद कर दीजिए। इसके उपरान्त पौधे की जड़ के समीप छोटा सा गड्ढा करिए और बोतल को पलट के उसी गड्ढे पर खड़ा करके लगा दीजिए। कहने का आशय यह है कि बोतल का मुँह जमीन में और बाकी का हिस्सा जमीन से बाहर होना चाहिए।

ऐसा करने से बोतल में भरा पानी नारियल के जूट के सहारे रिसता हुआ, बूँद-बूँद पौधों की जड़ों तक पहुँचता रहता है। यह प्रक्रिया हमें बुलबुले के रूप में नजर आती है। यदि हम समीप से ध्यान पूर्वक देखें तो हमें बोतल में भरे पानी में छोटे-छोटे बुलबुले नीचे से ऊपर की ओर आते दिखाई देंगे। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बोतल से वायु का निष्कासन होता है। अन्ततः यह पानी सीधे पौधों की जड़ों को प्राप्त हो जाता है और कम पानी की मात्रा में पौधों की जड़े दिन भर गीली रहती हैं। यह मात्रा इतनी कम होती है कि एक पानी की बोतल एक हफ्ते तक के लिए पर्याप्त होती है। इस तरह आप अनेक बोतलों को तैयार कर प्रत्येक पौधों के समीप लगा सकते हैं।

तो अब आपके पौधे दिनों नहीं, एक हफ्ते तक आपसे कोई शिकायत नहीं करेंगे।